शनिवार

34 साल से देहरादून का विश्वास

29 अगस्त 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 217
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मंच शुद्धीकरण पर 'महाभारत'

✦राहुल का प्रधानमंत्री पर सीधा हमला, पूछा कि कहां है एफआईआर

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की सियासत में मंच शुद्धीकरण का विवाद अब प्रदेश की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र तक पहुंचता दिख रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश देने की मांग कर भाजपा पर सीधा हमला बोला है। राहुल के बयान के बाद कांग्रेस ने इसे महज राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और संवैधानिक बराबरी का सवाल बताते हुए भाजपा को घेरना शुरू कर दिया है।

मंच पर मौजूदगी के बाद कथित शुद्धीकरण की घटना ने उत्तराखंड की राजनीति में पहले ही सवाल खड़े कर दिए थे। अब राहुल गांधी के हस्तक्षेप ने इस विवाद को नई राजनीतिक धार दे दी है। कांग्रेस का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति की जाति या सामाजिक पहचान के आधार पर उसके जाने के बाद किसी सार्वजनिक मंच का शुद्धीकरण किया जाता है, तो यह सिर्फ एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि संविधान की मूल भावना पर सवाल है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से मांग की कि मामले में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए जाएं। कांग्रेस इसे भाजपा के

◆राहुल गांधी बोले-मंच शुद्धीकरण नहीं, यह संविधान का अपमान
◆उत्तराखंड की सीमाएं लांघ राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में पहुंचा विवाद
◆प्रदेश में विस चुनाव से पहले सम्मान बनाम सत्ता की नई सियासी जंग

लिए असहज करने वाला सवाल बता रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि एक तरफ भाजपा सामाजिक समरसता और सबका साथ, सबका विकास की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में शुद्धीकरण जैसी घटना सामने आना गंभीर विरोधाभास है। कांग्रेस अब पूछ रही है कि अगर घटना गलत है तो कार्रवाई क्यों नहीं और अगर सही है तो जिम्मेदारी किसकी है? यही सवाल आने वाले दिनों में भाजपा के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है।

मंच शुद्धीकरण का मामला पहले ही प्रदेश की सियासत में बड़ा विवाद बन चुका है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर लगातार सरकार और भाजपा पर हमलावर है। मामला राजभवन तक पहुंचने के बाद विवाद की गंभीरता और बढ़ गई है। अब राहुल गांधी के बयान ने इसे राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श से भी जोड़ दिया है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि उत्तराखंड जैसे सामाजिक रूप से संवेदनशील राज्य में ऐसी घटनाएं समाज को बांटने वाली मानसिकता को मजबूती देती हैं। पार्टी इस मुद्दे को आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सामाजिक न्याय, सम्मान और बराबरी के सवाल से जोड़ने की कोशिश कर रही है।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा के सामने यह विवाद ऐसे समय आया है, जब पार्टी लगातार संगठन को चुनावी मोड में ला रही है। भाजपा जहां विकास, सरकार की उपलब्धियों और संगठन की मजबूती को चुनावी मुद्दा बनाना चाहती है, वहीं कांग्रेस ऐसे विवादों के जरिए सरकार को सामाजिक मुद्दों पर घेरने की रणनीति अपना रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि शुद्धीकरण की राजनीति आखिर उत्तराखंड को किस दिशा में ले जा रही है? राजनीतिक मंच पर विरोध होना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान को आधार बनाकर उसके बाद मंच को शुद्ध करने की धारणा अगर स्थापित होती है, तो यह केवल राजनीतिक कटाक्ष नहीं रह जाती।

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे छोटे दिखने वाले राजनीतिक विवाद भी बड़े चुनावी मुद्दों में बदल रहे हैं। मंच शुद्धीकरण भी अब उसी दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

तबाही के बीच लूटः बाढ़ में बहकर आई तिजोरी से उड़ाए 92 लाख

हमारे संवाददाता

काठमांडू। विनाशकारी बाढ़ और तबाही से जूझ रहे नेपाल से आपदा में अवसर जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जहां एक तरफ बाढ़ पीड़ितों की गिनती की जा रही है, वहीं दूसरी ओर चोरों ने बाढ़ में बहकर आए रुपये लूट लिए हैं।

पुलिस ने त्रिशुली नदी के किनारे बाढ़ में बहकर आई एक तिजोरी को तोड़कर करीब 92.68 लाख रुपये लूटने के आरोप में 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। यही नहीं, नारायणी नदी में बहकर आई एक मृतक महिला के शव से सोने की बालियां चुराने का वीडियो वायरल होने के बाद दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। दरअसल, तिजोरी भोटेकोशी इलाके में आई बाढ़ में बह गई थी और बाद में धाडिंग के

◆महिला के शव से निकाली बालियां, 31 गिरफ्तार

गलछी ग्रामीण नगरपालिका-4 के बेलखुखोला के पास त्रिशुली नदी के किनारे मिली। पुलिस को सूचना मिली कि स्थानीय लोगों ने तिजोरी तोड़कर उसके अंदर रखी नकदी निकाल ली है।

पुलिस की एक टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक तलाशी के दौरान 29 लोगों को हिरासत में लिया गया और उनके पास से 92,68,505 रुपये नकद बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोग गलछी-4 स्थित मस्तर के निवासी हैं। वहीं कुछ आरोपी गलछी-6 के आदमघाट और सिद्धलेक-7 के आदमतर के रहने वाले हैं। इसके अलावा, अन्य आरोपी मूल रूप से चितवन और परसा के निवासी हैं, जो फिलहाल धाडिंग में रह रहे हैं। पुलिस फिलहाल जब्त की गई नकदी के वास्तविक स्रोत की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या इस वारदात में अन्य संदिग्ध भी शामिल थे। एक अन्य झकझोर देने वाली घटना में, नारायणी नदी में बहकर आए एक शव से सोने की बालियां चुराने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद की गई है। जिसमें दो व्यक्ति बाढ़ के पानी में बहकर आई एक मृत महिला के कानों से जबरदस्ती सोने की बालियां निकालते हुए दिखाई दे रहे थे। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने शनिवार को बाढ़ से हुए नुकसान के आंकड़ों में बड़ा संशोधन किया है। नेपाल में अभी भी 2,426 लोग लापता हैं जबकि मृतकों की पुष्टि की गई संख्या बढ़कर 626 हो गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

प्रकृति की चेतावनियां

देश के कई हिस्सों में एक बार फिर मौसम ने करवट बदली है। कहीं मूसलधार बारिश है, कहीं आंधी-तूफान का खतरा और कहीं बादल फटने जैसी घटनाओं ने जनजीवन को चुनौती दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा चेतावनियां बताती हैं कि मानसून अभी पूरी तरह विदा होने के मूड में नहीं है। उत्तराखंड समेत कई क्षेत्रों में भारी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की आशंका जताई गई है। मौसम का यह मिजाज अब महज प्राकृतिक घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर साल बारिश आती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हर साल उसके साथ हमारी मुश्किलें भी बढ़नी जरूरी हैं? बारिश आफत तब बनती है, जब शहरों का ड्रेनेज जवाब दे देता है, नदियों के किनारों पर बस्तियां बस जाती हैं, पहाड़ों को बिना उनकी क्षमता समझे काट दिया जाता है और सड़कों के निर्माण में प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। आंधी तब संकट बनती है, जब कमजोर पेड़ बिजली की लाइनों पर गिरते हैं, जर्जर ढांचे खतरा बन जाते हैं और प्रशासन के पास आपदा से निपटने की तैयारी कागजों तक सीमित रह जाती है। सबसे बड़ी विडंबना यही है कि मौसम विभाग चेतावनी देता है, लेकिन चेतावनी और कार्रवाई के बीच अक्सर एक लंबी दूरी दिखाई देती है। अब समय आ गया है कि मौसम अलर्ट को केवल मोबाइल पर आने वाली सूचना न समझा जाए। इसे प्रशासनिक कार्रवाई का शुरुआती संकेत बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में भारी बारिश की आशंका है, वहां संवेदनशील सड़कों, पुलों, नालों और नदी-नालों की निगरानी बढ़नी चाहिए। स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पहले से परखी जानी चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन संभावित इलाकों की निगरानी और मैदानी क्षेत्रों में जलभराव वाले स्थानों की पहचान पहले से होनी चाहिए। उत्तराखंड के लिए तो यह चेतावनी और भी गंभीर है। यहां पहाड़, बारिश और सड़क का रिश्ता बेहद संवेदनशील है। एक तरफ लगातार बारिश से पहाड़ों की ढलान कमजोर होती है, दूसरी तरफ सड़क निर्माण और अनियोजित विकास का दबाव बढ़ रहा है। नतीजा यह कि सामान्य बारिश भी कई बार यातायात और जनजीवन के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। मौसम विभाग ने देहरादून, बागेश्वर और नैनीताल में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश तथा गरज-चमक के साथ अत्यंत तीव्र बारिश की संभावना जताई है। देश के दूसरे हिस्सों की तस्वीर भी बहुत अलग नहीं है। झारखंड के लिए भी भारी बारिश के साथ आंधी, बिजली और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में सवाल यह नहीं कि बारिश कितनी होगी। असली सवाल यह है कि बारिश से निपटने के लिए हमारी तैयारी कितनी है। जलवायु परिवर्तन के दौर में मौसम के पुराने अनुमान लगातार चुनौती झेल रहे हैं। कम समय में अत्यधिक बारिश, अचानक बाढ़, तेज हवाएं और तापमान में असामान्य बदलाव अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की सोच भी बदलनी होगी। राहत पहुंचाने की व्यवस्था से आगे बढ़कर नुकसान को रोकने की रणनीति बनानी होगी। शहरों में नालों की सफाई बारिश शुरू होने से ठीक पहले नहीं, पूरे साल होनी चाहिए। नदियों और बरसाती नालों के प्राकृतिक रास्तों पर अतिक्रमण रोकना होगा। पहाड़ों में निर्माण के लिए स्थानीय भूगोल और वहन क्षमता को प्राथमिकता देनी होगी। बिजली और दूरसंचार जैसी जरूरी सेवाओं की आपातकालीन बहाली की व्यवस्था मजबूत करनी होगी और सबसे महत्वपूर्णकृमौसम चेतावनी को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। क्योंकि आपदा में सबसे कमजोर वही व्यक्ति होता है जिसके पास सूचना सबसे देर से पहुंचती है। सरकारें हर बड़ी बारिश के बाद नुकसान का आकलन करती हैं, मुआवजे की घोषणा करती हैं और नई योजनाओं की बात करती हैं। लेकिन अब जरूरत नुकसान गिनने की नहीं, नुकसान घटाने की है। हर साल राहत पैकेज बांटने से बेहतर है कि संवेदनशील क्षेत्रों को पहले ही सुरक्षित कर दिया जाए। प्रकृति को नियंत्रित नहीं किया जा सकता, लेकिन उसके संकेतों को समझकर नुकसान जरूर कम किया जा सकता है। इसलिए इस बार का मौसम अलर्ट केवल घरों से बाहर निकलते समय सावधानी बरतने की सूचना नहीं है। यह शासन-प्रशासन के लिए भी एक चेतावनी है बारिश का पानी कब आफत बनेगा, यह हमेशा हमारे हाथ में नहीं, लेकिन आफत आने से पहले तैयारी करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। अब फैसला मौसम को करना है कि वह कितना बरसेगा और फैसला व्यवस्था को करना है कि वह कितनी तैयार है।

सभा स्थल के शुद्धिकरण में सरकार के संरक्षण में भाजपा शामिलःधस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि रामलीला मैदान में सभा स्थल के शुद्धिकरण में सरकार के संरक्षण में भाजपा शामिल है। आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि बीती आठ अगस्त को हल्द्वानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ऐतिहासिक रैली के बाद बौखलाई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अपनी पार्टी से जुड़े अराजक तत्वों से रामलीला मैदान में दस अगस्त को जिस प्रकार से सभा स्थल पर हवन यज्ञ और गंगाजल का छिड़काव करवाया यह अपराध भारतीय जनता पार्टी की सरकार के संरक्षण में भाजपा के हो लोगों ने करवाया था।

हरक की 'विरासत' पर भाजपा की 'सियासत'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजनीति में रिश्ते कभी सिर्फ रिश्ते नहीं होते। खासकर तब, जब रिश्ता उत्तराखंड की उस राजनीति से जुड़ा हो जिसने पिछले दो दशक में कई बार सत्ता का रुख बदला हो। भाजपा प्रवक्ता अनुकृति गुसाईं रावत ने जब अपने ससुर और पूर्व मंत्री डा. हरक सिंह रावत का नाम लेकर कहा कि उत्तराखंड में भाजपा को मजबूती देने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है, तो यह महज पारिवारिक सम्मान का बयान नहीं माना जा रहा। इस बयान में उत्तराखंड की बदलती सियासत की एक तस्वीर भी दिखाई देती है।

हरक सिंह रावत का राजनीतिक सफर उत्तराखंड की राजनीति के उन अध्यायों में शामिल है, जहां दल बदलना, सत्ता समीकरण और व्यक्तिगत राजनीतिक प्रभाव एक-दूसरे से अलग नहीं दिखाई देते। भाजपा से कांग्रेस और कांग्रेस से भाजपा तक की उनकी यात्राओं ने प्रदेश की राजनीति में कई बार हलचल पैदा की। अब उसी राजनीतिक विरासत का एक हिस्सा भाजपा के भीतर अनुकृति गुसाईं रावत के रूप में दिखाई दे रहा है।

अनुकृति का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक स्तर पर लगातार अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी है। ऐसे समय में पार्टी की नई प्रवक्ता का अपने ससुर के भाजपा में योगदान को सार्वजनिक रूप से रेखांकित करना क्या केवल अतीत को याद करना है या भविष्य की राजनीति का संकेत भी?

उत्तराखंड की राजनीति में हरक सिंह रावत का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं। अलग-अलग राजनीतिक दलों में उनकी सक्रियता और सरकारों में उनकी भूमिका ने उन्हें प्रदेश की राजनीति का प्रभावशाली चेहरा बनाया। यही कारण है कि जब परिवार की अगली पीढ़ी भाजपा में सक्रिय भूमिका निभाती है और पुराने राजनीतिक योगदान को याद करती है, तो उसके राजनीतिक अर्थ भी निकाले जाते हैं। अनुकृति का बयान इसी संदर्भ में देखा जा रहा है।

हालांकि राजनीति में किसी नेता की विरासत केवल परिवार के नाम से आगे नहीं बढ़ती। उसे संगठन स्वीकार करता है, कार्यकर्ता स्वीकार करते हैं और सबसे बड़ी बातकृमतदाता स्वीकार करते हैं। भाजपा में प्रवक्ता की भूमिका मिलने के बाद अनुकृति के सामने भी यही चुनौती है कि वह पारिवारिक पहचान से आगे निकलकर अपनी अलग राजनीतिक पहचान कितनी तेजी से बनाती हैं। भाजपा की राजनीति में संगठन सबसे ऊपर होने का दावा लगातार किया जाता रहा है। ऐसे में किसी पुराने और प्रभावशाली नेता की राजनीतिक विरासत से जुड़े चेहरे को संगठन में जिम्मेदारी मिलना अपने आप में दिलचस्प है।

- उत्तराखंड की बदलती राजनीति के बीच अनुकृति के बयान के सियासी मायने
- भाजपा की प्रवक्ता बनीं अनुकृति ने हरक सिंह रावत के योगदान को याद किया
- सवाल पुराने रिश्तों की विरासत से नई राजनीतिक पारी कितनी मजबूत होगी
- ससुर का सम्मान या पार्टी के भीतर खुद की जगह बनाने की कवायद

क्या भाजपा उत्तराखंड में पुराने राजनीतिक प्रभाव वाले परिवारों को भी अपनी रणनीति में जगह दे रही है? क्या पार्टी 2027 के लिए हर वर्ग और हर राजनीतिक प्रभाव क्षेत्र को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है? या फिर यह सिर्फ संगठन में एक सामान्य जिम्मेदारी है, जिसे परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि से जोड़कर देखा जा रहा है? इन सवालों के जवाब आने वाले समय में भाजपा की गतिविधियों से मिलेंगे।

उत्तराखंड की राजनीति में परिवारवाद पर खूब बहस होती रही है। कांग्रेस हो या भाजपा, दोनों दलों में ऐसे नेताओं की कमी नहीं रही जिनके राजनीतिक परिवारों ने अगली पीढ़ी को राजनीति का रास्ता दिखाया। लेकिन पहाड़ की राजनीति में मतदाता केवल नाम देखकर हमेशा फैसला नहीं करता। यहां सड़क चाहिए, रोजगार चाहिए, स्वास्थ्य सुविधा चाहिए, पलायन का जवाब चाहिए। गांव खाली हो रहे हैं तो सवाल परिवार की राजनीतिक विरासत से आगे जाकर पूछा जाता है। अनुकृति गुसाईं के सामने भी यही कसौटी होगी। ससुर का राजनीतिक योगदान अपनी जगह है। लेकिन नई पीढ़ी की राजनीति को पुराने खाते की जमा पूंजी पर हमेशा नहीं चलाया जा सकता। उसे अपना खाता खोलना पड़ता है।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां जैसे-जैसे तेज होंगी, उत्तराखंड भाजपा में कई नए चेहरे दिखाई देंगे। कुछ संगठन से आएंगे, कुछ आंदोलन की राजनीति से, कुछ सामाजिक क्षेत्र से और कुछ राजनीतिक परिवारों की विरासत लेकर। अनुकृति गुसाईं का राजनीतिक सफर भी इसी बड़ी तस्वीर का हिस्सा है। उनका बयान एक तरह से अतीत को स्वीकार करता हैकृकि परिवार का राजनीतिक इतिहास भाजपा से जुड़ा रहा है और हरक सिंह रावत का पार्टी को मजबूत करने में योगदान रहा है। लेकिन भविष्य का सवाल अलग है।

क्या अनुकृति अपने ससुर की राजनीतिक पहचान की उत्तराधिकारी बनेंगी या अपनी अलग राजनीतिक पहचान

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'विधायक पर अवतरित हुए देवता'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भटवाड़ी विकासखंड के जौराई गांव में आयोजित बेलक-जौराई बुग्याल पर्यटन मेले में आस्था, परंपरा और लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। मेले के दौरान उस समय माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया, जब गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान पर नागराजा देवता अवतरित हुए। देवता के अवतरण के बाद श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने इसे देवभूमि की सदियों पुरानी लोक आस्था और परंपरा से जोड़कर देखा।

जौराई बुग्याल मेला केवल मनोरंजन या पर्यटन का आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की धार्मिक मान्यताओं, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु पहुंचे। पूजा-अर्चना, पारंपरिक अनुष्ठानों और लोक रीति-रिवाजों के बीच मेले का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक नजर आया।

मेले में विधायक सुरेश चौहान भी शामिल हुए और उन्होंने क्षेत्रवासियों को मेले की शुभकामनाएं दीं। इसी दौरान देवता के अवतरण की मान्यता के साथ माहौल अचानक बदल गया। श्रद्धालु हाथ जोड़कर खड़े हो गए और बड़ी संख्या में लोग इस

- भटवाड़ी के जौराई बुग्याल मेले में दिखा आस्था का अद्भुत रंग
- गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान पर नागराजा देवता अवतरित हुए
- देवभूमि की सदियों पुरानी लोक आस्था और परंपरा का संगम
- क्षेत्र में अचानक बदला माहौल और उमड़ा आस्था का सैलाब

धार्मिक क्षण के साक्षी बने। ग्रामीणों के लिए यह दृश्य मेले के सबसे विशेष क्षणों में शामिल रहा।

स्थानीय लोगों का मानना है कि पहाड़ की लोक संस्कृति में देव परंपरा केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का भी महत्वपूर्ण आधार रही है। गांवों के मेलों और धार्मिक आयोजनों में देव डोली, देव अवतरण और पारंपरिक अनुष्ठानों की अपनी विशिष्ट भूमिका होती है। यही परंपराएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रही हैं।

जौराई बुग्याल क्षेत्र की प्राकृतिक खूबसूरती के साथ इसकी सांस्कृतिक पहचान भी इसकी बड़ी ताकत है। पर्यटन के बढ़ते विस्तार के बीच स्थानीय लोगों के सामने अपनी पारंपरिक संस्कृति और धार्मिक विरासत को संरक्षित रखने की चुनौती भी है। मेले जैसे आयोजन इस लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाते हैं, क्योंकि इनके माध्यम से नई पीढ़ी अपनी जड़ों, लोक मान्यताओं और पारंपरिक जीवनशैली से जुड़ती है।

विधायक सुरेश चौहान ने भी क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय संस्कृति को पहचान देने के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जौराई बुग्याल मेले में इस बार जहां प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत आकर्षण का केंद्र रही, वहीं विधायक पर नागराजा देवता के अवतरण की घटना ने आयोजन को धार्मिक आस्था के लिहाज से भी खास बना दिया। श्रद्धालुओं के बीच दिनभर इसी घटना की चर्चा रही।

अल्मोड़ा में विशेष गहन पुनरीक्षण की समीक्षा, 97,683 मामलों पर हुई सुनवाई

अल्मोड़ा (आरएनएस)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत अल्मोड़ा जनपद में जारी सभी 98,529 नोटिसों का वितरण पूरा कर लिया गया है, जबकि 97,683 मामलों में सुनवाई की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उनके बूथ लेवल एजेंट-1 के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 4,71,938 मतदाता पंजीकृत हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जारी किए गए सभी 98,529 नोटिस संबंधित मतदाताओं तक पहुंचा दिए गए हैं और अधिकांश मामलों में सुनवाई भी पूरी कर ली गई है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं बूथ लेवल एजेंटों को नोटिस वितरण, सुनवाई की प्रगति और पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए अभियान को पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संपन्न कराने में सहयोग की अपेक्षा की। बैठक में बताया गया कि सुनवाई प्रक्रिया के संचालन के लिए जनपद में 72 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की तैनाती की गई है। वहीं, 949 मतदेय स्थलों से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए 856 सुनवाई स्थल निर्धारित किए गए हैं। अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र ने पुनरीक्षण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी लंबित कार्यों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बीएचईएल अस्पताल में हाथी की दस्तक से मची अफरा तफरी

हरिद्वार (आरएनएस)। बीएचईएल अस्पताल परिसर में अचानक हाथी के पहुंचने से मरीजों और चिकित्सीय स्टाफ में अफरा तफरी मच गई। हाथी काफी देर तक अस्पताल परिसर और पार्किंग क्षेत्र में घूमता रहा। इस दौरान अस्पताल में मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। गनीमत रही कि हाथी के विचरण के दौरान कोई हादसा नहीं हुआ। काफी देर अस्पताल परिसर में घूमने के बाद हाथी वापस राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क की ओर लौट गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बता दें कि बीएचईएल अस्पताल राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क की सीमा से सटा हुआ है। जिसके चलते यहां आए दिन जंगली जानवरों की आवाजाही देखने को मिलती है। अस्पताल परिसर में हाथी के साथ ही गुलदार और अन्य जंगली जानवर भी कई बार पहुंच चुके हैं। जंगली जानवरों के लगातार अस्पताल क्षेत्र में आने से मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से प्रभावी निगरानी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर सख्ती के निर्देश

अल्मोड़ा (आरएनएस)। नगर निगम सभागार में नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोकथाम को लेकर जनपद स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी निकायों और जिला पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए नियमित जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं। साथ ही प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त चालानी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। इसके लिए सभी निकायों को समन्वित रूप से अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने और नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में जनपद के सभी निकायों के अधिशासी अधिकारी एवं कर्मचारी, जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी तथा पंचायत राज अधिकारी उपस्थित रहे।

नेपाल बाढ़ पीड़ितों की मदद को गायत्री परिवार ने शुरू किया राहत अभियान

हरिद्वार (आरएनएस)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार ने राहत अभियान शुरू किया है। शांतिकुंज, हरिद्वार से प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत सामग्री भेजी जा रही है। गायत्री परिवार प्रमुख शैल जीजी और उपाध्यक्ष डॉ. चिन्मय पंड्या के मार्गदर्शन में करीब 50 नेपाली कार्यकर्ताओं और स्थानीय गायत्री परिजनों का सेवाभावी दल प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना हो रहा है। दल की ओर से आपदा प्रभावित परिवारों तक तिरपाल, राशन, आवश्यक दवाइयां और दैनिक उपयोग की जरूरी सामग्री पहुंचाई जाएगी। गायत्री परिवार के अनुसार राहत अभियान का उद्देश्य संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने के साथ उनके प्रति अपनत्व और संवेदना व्यक्त करना है। गायत्री परिवार ने कहा कि इस सेवा पहल के पीछे पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माताजी भगवती देवी शर्मा की सेवा एवं लोकमंगल की प्रेरणा है। भारत और नेपाल के सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए परिवार ने कहा कि नेपाली भाई-बहनों के संकट में साथ खड़ा होना मानवीय और आत्मीय दायित्व है। शैल जीजी और डॉ. चिन्मय पंड्या ने बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

भाजपा का 'आपरेशन विस्तार' पर फोकस

◆छोटे दलों से बड़े चेहरों तक साध रही सियासी बिसात
◆संगठन मजबूत करने के साथ विपक्ष में सेंधमारी पर जोर
◆2027 की हैट्रिक के लिए मैदान तैयार कर रही भाजपा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले ही अभी दूर हो, लेकिन सियासी दलों ने चुनावी तैयारियों को रफ्तार दे दी है। इनमें भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे दिखाई दे रही है। पार्टी चुनाव की घोषणा का इंतजार करने के बजाय पहले से ही ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार करने में जुटी है, जिसमें संगठन की ताकत, सामाजिक समीकरण और विपक्ष की कमजोरी तीनों एक साथ दिखाई दें। छोटे राजनीतिक दलों को अपने साथ मिलाने से लेकर दूसरे दलों के प्रभावशाली नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाने तक, पार्टी का आपरेशन विस्तार लगातार जारी है।

भाजपा की रणनीति को केवल दल-बदल तक सीमित करके देखना शायद सही नहीं होगा। इसके पीछे 2027 में लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने की व्यापक चुनावी रणनीति दिखाई दे रही है। पार्टी का लक्ष्य है कि चुनाव की घोषणा होने तक संगठनात्मक स्तर पर वह इतनी मजबूत स्थिति में पहुंच जाए कि विपक्ष को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर होना पड़े। उत्तराखंड की राजनीति में कई छोटे राजनीतिक दल और क्षेत्रीय संगठन भले ही विधानसभा चुनाव में निर्णायक संख्या में सीटें न जीत पाते हों, लेकिन अलग-अलग क्षेत्रों और सामाजिक समूहों में उनकी पकड़ रहती है। भाजपा अब ऐसे संगठनों को अपने साथ जोड़कर चुनावी समीकरणों को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

हालिया दौर में गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट का भाजपा में विलय भी इसी रणनीति की एक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा के लिए ऐसे संगठनों का साथ आना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पार्टी को केवल सदस्य नहीं मिलते, बल्कि उनके साथ जुड़े स्थानीय कार्यकर्ता, समर्थक और सामाजिक नेटवर्क भी भाजपा के संगठन का हिस्सा बनते हैं। यानी भाजपा की नजर केवल संख्या पर नहीं, सामाजिक पहुंच के विस्तार पर भी है। भाजपा की दूसरी रणनीति विपक्षी दलों के प्रभावशाली नेताओं को अपने पाले में लाने की है। उत्तराखंड की राजनीति में नेताओं का दल बदलना कोई नई बात नहीं है, लेकिन चुनाव से करीब एक साल पहले होने वाली ऐसी राजनीतिक गतिविधियों का असर कहीं ज्यादा होता है।

किसी बड़े नेता के भाजपा में आने से पार्टी को तत्काल राजनीतिक प्रचार मिलता है। उसके समर्थकों और स्थानीय प्रभाव का लाभ मिलने की उम्मीद रहती है। इससे विपक्ष के भीतर भी असमंजस पैदा होता है और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ सकता है। यही वजह है कि भाजपा ऐसे चेहरों को अपने साथ जोड़ने में कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती, जिनकी अपने क्षेत्र में राजनीतिक पहचान है। भाजपा की चुनावी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगठन है। पार्टी पहले ही बूथ स्तर तक चुनावी तैयारियों को मजबूत करने में जुटी है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने, बूथ समितियों को सक्रिय करने और स्थानीय स्तर पर राजनीतिक समीकरणों की समीक्षा का काम चल रहा है। इस रणनीति में नए नेताओं और छोटे दलों का भाजपा में आना अतिरिक्त ताकत के रूप में देखा जा रहा है।

पार्टी की कोशिश साफ है चुनाव की घोषणा होने तक संगठन को चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय कर दिया जाए। इसके बाद जब आचार संहिता लागू होगी तो राजनीतिक दलों के पास समय सीमित होगा। भाजपा इससे पहले ही अपना राजनीतिक आधार मजबूत करना चाहती है। भाजपा के लगातार विस्तार का सबसे सीधा राजनीतिक असर कांग्रेस पर पड़ना तय माना जा रहा है। कांग्रेस जहां सरकार के खिलाफ मुद्दे तलाश रही है, वहीं भाजपा चुनाव से पहले ही अपना कुनबा बढ़ाने में जुटी है। विपक्ष के सामने चुनौती दोहरी है। एक तरफ उसे भाजपा सरकार के खिलाफ जनता के बीच मुद्दे खड़े करने होंगे, दूसरी ओर अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना होगा।

राजनीति में यह धारणा महत्वपूर्ण होती है कि कौन जीतने की स्थिति में दिखाई दे रहा है। यदि चुनाव से पहले लगातार दूसरे दलों के नेता भाजपा में शामिल होते रहे तो इससे भाजपा के पक्ष में राजनीतिक माहौल बनने का मनोवैज्ञानिक लाभ भी मिल सकता है। कांग्रेस के लिए इसलिए जरूरी होगा कि वह केवल भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं की आलोचना करने तक सीमित न रहे, बल्कि अपने संगठन को भी सक्रिय करे और जनता के बीच अपनी वैकल्पिक राजनीतिक तस्वीर स्पष्ट करे।

भाजपा पहले ही 2027 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य सार्वजनिक रूप से रख चुकी है। ऐसे में चुनाव से पहले होने वाला हर राजनीतिक घटनाक्रम पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। भाजपा की रणनीति में एक तरफ उपलब्धियों का प्रचार है तो दूसरी तरफ संगठन विस्तार। एक तरफ बूथ प्रबंधन है तो दूसरी तरफ सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश और इसी के साथ विपक्षी खेमे में सेंधमारी का सिलसिला भी दिखाई दे रहा है। यह रणनीति भाजपा को शुरुआती बढ़त जरूर देती है, लेकिन चुनाव का अंतिम फैसला संगठन विस्तार से नहीं, मतदाता के फैसले से होगा। किसी नेता का भाजपा में शामिल होना उसके क्षेत्र के पूरे वोट बैंक के भाजपा के साथ आने की गारंटी नहीं है। इसी तरह छोटे दल के विलय का अर्थ यह नहीं कि उसका हर समर्थक भाजपा को वोट देगा। असली चुनौती इन राजनीतिक उपलब्धियों को बूथ स्तर के वोट में बदलने की होगी।

उत्तराखंड की राजनीति में फिलहाल यही तस्वीर उभर रही है कि चुनाव की तारीख घोषित होने से पहले ही भाजपा ने चुनावी मैदान को अपने हिसाब से तैयार करना शुरू कर दिया है। पार्टी छोटे दलों को साथ ला रही है, दूसरे दलों के नेताओं को अपने पाले में कर रही है और संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने में जुटी है। यानी भाजपा की रणनीति का संदेश साफ है चुनाव की घोषणा बाद में होगी, चुनावी तैयारी पहले पूरी करनी है। अब देखना यह होगा कि कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल भाजपा के इस आपरेशन विस्तार का जवाब किस रणनीति से देते हैं। क्योंकि उत्तराखंड का 2027 विधानसभा चुनाव सिर्फ सत्ता और विपक्ष की लड़ाई नहीं होगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि चुनाव से पहले संगठन, सामाजिक समीकरण और राजनीतिक नैरेटिव तैयार करने में कौन सा दल बाजी मारता है। भाजपा फिलहाल अपनी बिसात बिछा चुकी है। विपक्ष के पास अब उस बिसात को पढ़ने और अपनी चाल चलने का वक्त है।

आधार अपडेट कराने को लम्बा इंतजार

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। नगर के घंटाकरण आधार सेंटर में आधार अपडेट व बनाने को लोगों की भीड़ जुटी। नगर के साथ ही दूर-दराज के क्षेत्रों से लोग यहां अपने व बच्चों के आधार अपडेट कराने को पहुंचे।

इस दौरान आधार सेंटर में भीड़ अधिक होने के कारण लोगों को अपनी बारी के लिए लम्बा इंतजार करना पड़ा। आधार अपडेट कराने पहुंचे किशन कुमार ने बताया कि बीते मंगलवार को वह अपने बेटे का नाम परिवर्तन कराने को यहां पहुंचे थे। लेकिन उनकी बारी ना आने के कारण उन्हें आज दुबारा आना पड़ रहा। वही लोग आधार सेंटर के बाहर बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान आधार सेंटर के कर्मचारियों ने बारी-बारी से लोगों के आधार अपडेट किए।

यूजीसी रोल बैक की मांग को लेकर 30 अगस्त को विरोध सभा

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। यूजीसी रोल बैक की मांग को लेकर 30 अगस्त को प्रस्तावित विरोध सभा की तैयारियों को लेकर एक होटल में बैठक हुई। बैठक में केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए विभिन्न वर्गों के लोगों ने विरोध सभा को सफल बनाने पर चर्चा की।

अखिल भारतीय समानता मंच के संरक्षक शमशेर महर ने कहा कि 30 अगस्त को यूजीसी के विरोध में सभा आयोजित की जाएगी। पूर्व शिक्षक नेता गिरधर सिंह बिष्ट ने प्रस्तावित विरोध सभा का समर्थन करते हुए कहा कि यूजीसी के मुद्दे को लेकर सवर्ण समाज में भारी रोष है। एडवोकेट अजय बोहरा ने कहा कि सामान्य वर्ग जंतर-मंतर पर आंदोलनरत है। ऐसे में उत्तराखंड और जनपद के लोगों को भी यूजीसी के विरोध में एकजुट होकर खड़ा होना होगा।

संगठन मंत्री भास्करानंद ने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए कार्यरत और सेवानिवृत्त शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी, व्यापारी व समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क कर उन्हें आंदोलन से जोड़ने की बात कही। कर्मचारी नेता विजेंद्र लुंठी ने कहा कि आंदोलन से अधिक से अधिक युवाओं और कर्मचारियों को जोड़ा जाएगा।

बैठक में महिपाल डोभाल, प्रह्लाद बिष्ट, अनिल बसेड़ा, अरुण बोहरा, लक्ष्मी दत्त जोशी, केएस भाटिया, आरडी उप्रेती, सुरेंद्र बिष्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बॉडीकॉन ड्रेस के साथ इन एक्सेसरीज को करें स्टाइल, सभी करेंगे आपके लुक की तारीफ

बॉडीकॉन ड्रेस एक ऐसी पोशाक है, जो शरीर को कसकर गले लगाती है और इसे पहनकर महिलाएं बेहद आकर्षक दिखती हैं। हालांकि, इस तरह की ड्रेस के साथ सही एक्सेसरीज पहनना बहुत जरूरी है, ताकि लुक और भी खास बन सके। सही एक्सेसरीज न केवल आपके लुक को पूरा करती हैं, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी देती हैं। आज के फैशन टिप्स में जानिए इस तरह की ड्रेस पर कैसी एक्सेसरीज अच्छी लगती हैं।

हील वाली सैंडल का चयन करें : बॉडीकॉन ड्रेस के साथ ऊंची एड़ी यानि हील वाली सैंडल पहनना ही सबसे अच्छा विकल्प होता है। यह आपके पैरों को लंबा दिखा सकती हैं और आपको आत्मविश्वास से भरा महसूस करवा सकती हैं। काली, न्यूड या किसी हल्के रंग की हील सैंडल चुनें, जो आपकी ड्रेस के साथ मेल खाए। अगर आप लंबे समय तक हील वाली सैंडल पहनने में असहज महसूस करती हैं तो चौड़ी एड़ी वाली सैंडल या छोटी हील वाले विकल्प को चुन लें।

छोटे इयररिंग पहनें : बॉडीकॉन ड्रेस के साथ छोटे इयररिंग बहुत अच्छे लगते हैं। ये आपके चेहरे को फ्रेम करते हैं और आपके लुक को कोमल और आकर्षक बनाते हैं। मोती वाले या गोल्डन रंग के छोटे कान के इयररिंग चुनें, जो आपकी ड्रेस के साथ अच्छे से मेल खाते हों। अगर आपकी ड्रेस में ज्यादा कढ़ाई या डिजाइन है तो गोल्डन हूप्स ही पहनें, ताकि आपका लुक ज्यादा बनावटी न लगे और संतुलित दिखे।

छोटे बैग का उपयोग करें : छोटा बैग बॉडीकॉन ड्रेस के साथ एक ज्यादा अच्छा लगता है, क्योंकि यह ड्रेस पर आकर्षण बना रहने देता है। यह न केवल आपकी चीजों को सुरक्षित रखता है, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाता है। छोटे बैग में फोन, पर्स, पैसे 3और मेकअप उत्पाद जैसे छोटे-मोटे सामान आसानी से समा सकते हैं। रंगों की बात करें तो काले, सुनहरे या हल्के रंग के बैग चुनें, जो आपकी ड्रेस के साथ मेल खाएं।

कमर पर बेल्ट लगाएं : इन दिनों बॉडीकॉन ड्रेस के साथ स्टाइलिश बेल्ट पहनने का काफी चलन है, जिसे आपको भी अपनाना चाहिए। इससे आपकी कमर का आकार उभरकर आएगा, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। बेल्ट चुनते समय उसकी चौड़ाई और डिजाइन पर ध्यान दें, ताकि वह आपकी ड्रेस के साथ मेल खाए। आप ड्रेस के ऊपर गोल्डन रंग की चेन वाली बेल्ट लगा सकती हैं, जो इस साल सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं।

हाथों में चंकी कड़े पहनें : बॉडीकॉन ड्रेस के साथ हाथों में भी कुछ पहनना बनता है। आप इस लुक को और भी खास बनाने के लिए कलाई को चंकी कड़ों से सजा सकती हैं। ये बड़े आकार वाले कड़े होते हैं, जो हाथों को बहुत खूबसूरत दिखाते हैं। आपको गोल्डन या फिर ड्रेस के रंग से मेल खाते हुए चंकी कड़े पहनने चाहिए। ज्यादा खूबसूरत लुक के लिए अलग-अलग डिजाइन और आकार वाले कड़ों को एक साथ पहनकर देखें।

लोगों को ज्यादा सफाई देने की आदत से पाना चाहते हैं छुटकारा?

लोगों को ज्यादा सफाई देना एक आम समस्या है, जो हमारे आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है। यह आदत न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि कामकाजी जीवन में भी दिक्कतें पैदा कर सकती है। इसकी वजह से हर काम प्रभावित होता है और तनाव बना रहता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप इस आदत को सुधार सकते हैं और अधिक आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकते हैं।

अपनी बात साफ तरीके से रखें : लोगों को ज्यादा सफाई देने से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी बात को साफ और छोटे तरीके से रखें। जब आप किसी से बात कर रहे हों तो कोशिश करें कि आपका संदेश सीधा हो और उसमें फालतू की जानकारी न दें। इससे सामने वाले को आपकी बात समझने में आसानी होगी और आपको बार-बार अपनी बात दोहराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे आप अपने मन में उस बात को बार-बार दोहराना बंद कर देंगे।

खुद को जांचें : खुद को ज्यादा समझाने की आदत को सुधारने के लिए खुद का आकलन करना जरूरी है। इसके लिए आपको अपने विचारों और भावनाओं पर ध्यान देना होगा। सोचिए कि क्या आप जो बात लोगों को समझा रहे हैं, वह असल में मायने भी रखती है या नहीं। अगर आपको लगता है कि लोगों को आपकी बात पहले ही समझ आ गई है तो ज्यादा जानकारी देने की जरूरत नहीं है। इससे आप खुद को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाएंगे।

सीमाएं तय करें : ज्यादा सफाई देने की आदत से बचने के लिए सीमाएं तय करना बहुत जरूरी है। जब आप किसी बातचीत या स्थिति में हों तब यह तय करें कि आपको कितनी जानकारी साझा करनी है और कितनी नहीं। इससे न केवल आपकी बात साफ होगी, बल्कि सामने वाले को भी आपकी बात समझने में आसानी होगी। इसके अलावा यह आदत आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगी और आप अधिक प्रभावी ढंग से संवाद कर पाएंगे।

सुनने की आदत डालें : ज्यादा सफाई देने की आदत को सुधारने के लिए सुनने की आदत डालना बहुत अहम है। जब आप दूसरों की बात ध्यान से सुनते हैं तो आपको समझ आता है कि उनको आपकी बात पहले ही समझ आ गई है। इससे आपको बार-बार अपनी बात दोहराने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आपकी बातचीत अधिक प्रभावी होगी। इसके अलावा इससे आपके रिश्ते भी बेहतर होंगे और आप दूसरों के नजरिए को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे।

उत्तराखंड में वोटर लिस्ट का 'धर्मयुद्ध'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासत लगातार गरमा रही है। कांग्रेस जहां प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी का सवाल उठाते हुए निर्वाचन आयोग के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज करा रही है, वहीं भाजपा कांग्रेस पर एसआईआर की संवैधानिक प्रक्रिया में बाधा डालने का आरोप लगा रही है। मुद्दा अब केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गया है। यह सवाल भी उठने लगा है कि चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक दल संवैधानिक संस्थाओं की प्रक्रिया को किस नजरिये से देखते हैं। लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुचिता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी यह भी है कि उस प्रक्रिया को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय नियम और प्रमाण के आधार पर परखा जाए।

◆एसआईआर प्रक्रिया पर सियासत गर्म, संस्थाओं की शुचिता बनाम राजनीतिक नफा-नुकसान
◆प्रक्रिया पर सवाल उठाना हक, लेकिन क्या कागजों और तथ्यों के साथ मैदान में है विपक्ष
◆हर पात्र को मिले मताधिकार, पर राजनीतिक बयानबाजी से न बिगड़े संस्थागत व्यवस्था
◆कटघरे में खड़ा करने के बजाय संस्थागत प्रक्रिया और नियम-प्रमाण से निपटे विवाद

कांग्रेस को यदि एसआईआर में किसी स्तर पर गड़बड़ी दिखाई दे रही है तो उसे तथ्यों और दस्तावेजों के साथ निर्वाचन आयोग के सामने रखना चाहिए। किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया है तो उसका विवरण सामने आना चाहिए। किसी पात्र व्यक्ति को सूची से बाहर किया गया है तो उसकी शिकायत का समाधान कराने के लिए संस्थागत रास्ता अपनाया जाना चाहिए। यही जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका है। लेकिन दूसरी तरफ यह भी सच है कि केवल आशंकाओं के आधार पर पूरी प्रक्रिया को कटघरे में खड़ा कर देना लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है।

उत्तराखंड में एसआईआर की प्रक्रिया प्रशासनिक स्तर पर चल रही है और जिला प्रशासन की वेबसाइटों पर भी इससे संबंधित सूचनाएं, बैठकें और प्रशिक्षण संबंधी विवरण सार्वजनिक किए जा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना होगा कि उसकी लड़ाई फर्जी मतदाताओं के खिलाफ है या वैध मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए। दोनों के बीच फर्क करना बेहद जरूरी है। अगर किसी व्यक्ति का नाम दो जगह है, व्यक्ति का निधन हो चुका है, वह स्थायी रूप से कहीं और चला गया है या मतदाता सूची में उसका नाम नियमों के विपरीत दर्ज है, तो उसका सत्यापन होना चाहिए। लेकिन इसी प्रक्रिया में किसी वास्तविक मतदाता का नाम केवल राजनीतिक पहचान, धर्म, जाति या क्षेत्र के आधार पर प्रभावित होता है तो उसका विरोध भी उतनी ही मजबूती से होना चाहिए। यही लोकतंत्र का संतुलन है।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह एसआईआर के मुद्दे को तुष्टिकरण बनाम ध्रुवीकरण की राजनीति में फंसने से बचाए। चुनावी राजनीति में हर दल अपने वोट बैंक की चिंता करता है, लेकिन मतदाता सूची किसी दल का वोट बैंक नहीं होती। वह लोकतंत्र की बुनियादी सूची है। कांग्रेस यदि वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे बूथ स्तर तक अपने प्रतिनिधियों को सक्रिय करना चाहिए। एक-एक आपत्ति की जांच करानी चाहिए और जहां गलती मिले, वहां निर्वाचन आयोग से सुधार की मांग करनी चाहिए। इससे उसका पक्ष भी मजबूत होगा और जनता के बीच यह संदेश भी जाएगा कि पार्टी चुनावी लाभ से ज्यादा चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को महत्व देती है।

भाजपा के लिए भी यह सवाल कम महत्वपूर्ण नहीं है। यदि वह एसआईआर को लेकर कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो। किसी भी पात्र मतदाता का नाम न कटे और किसी भी अपात्र नाम को राजनीतिक संरक्षण न मिले। केवल कांग्रेस के विरोध को राजनीतिक मुद्दा बनाने से ज्यादा जरूरी है कि भाजपा भी निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता के पक्ष में खड़ी दिखाई दे।

दरअसल, चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव तभी बन सकता है जब मतदाता सूची पर जनता का भरोसा कायम रहे। एसआईआर किसी राजनीतिक दल की जीत या हार का औजार नहीं हो सकता। यह निर्वाचन व्यवस्था की एक प्रक्रिया है। इसलिए कांग्रेस को विरोध करना है तो करे, सवाल पूछने हैं तो पूछे, शिकायत करनी है तो करेकृलेकिन हर सवाल तथ्य और प्रमाण के साथ होना चाहिए। इसी तरह सत्ता पक्ष को भी विपक्ष की हर आपत्ति को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज करने के बजाय गंभीरता से जांच की मांग करनी चाहिए। उत्तराखंड चुनावी मोड में प्रवेश कर चुका है। ऐसे समय में राजनीतिक दलों के सामने असली परीक्षा भाषणों की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनके व्यवहार की है।

कांग्रेस के लिए यह मौका है कि वह तुष्टिकरण की राजनीति के आरोपों से बाहर निकलकर एक जिम्मेदार और तथ्याधारित विपक्ष की भूमिका निभाए। उसे यह साबित करना होगा कि उसकी चिंता किसी खास समुदाय के वोटों को बचाने की नहीं, बल्कि हर पात्र नागरिक के मताधिकार को सुरक्षित रखने की है। क्योंकि लोकतंत्र में एक गलत नाम भी समस्या है और एक सही नाम का गलत तरीके से कटना भी उतनी ही बड़ी समस्या। इसलिए एसआईआर पर सियासत की जगह संविधान, कानून और तथ्य को केंद्र में रखने की जरूरत है। चुनाव आएंगे और जाएंगे, सरकारें बदलेंगी, विपक्ष सत्ता में आएगा, लेकिन मतदाता सूची की विश्वसनीयता कमजोर हुई तो नुकसान किसी एक पार्टी का नहीं, पूरे लोकतंत्र का होगा।

शब्द सामर्थ्य -050

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

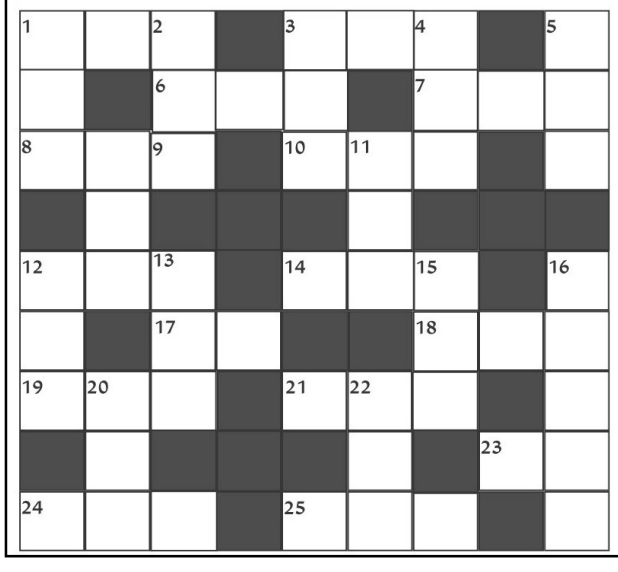

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 49 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

धनुष-करीना की जोड़ी पर लगी मोहर!

हाल ही में खबरें सामने आई थीं कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक हिंदी फिल्म के लिए करीना कपूर से संपर्क किया गया है। धनुष का नाम फिल्म के लिए पहले ही तय हो चुका है। अब फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्देशक एस मिथरन ने एक हालिया इंटरव्यू में पुष्टि की है कि धनुष और करीना का नाम फिल्म के लिए लगभग तय है।

निर्देशक बोले, बातचीत अभी जारी है और दोनों कलाकारों की तारीखों को देखा जा रहा है, ताकि उनकी उपलब्धता की पुष्टि की जा सके।

उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही इस प्रोजेक्ट को लेकर कुछ अच्छी खबर सामने आएगी। फिल्म को लेकर अगस्त की शुरुआत से ही बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में चर्चा तेज है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये बड़े स्तर पर बनाई जाने वाली पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसे लेकर दर्शकों में भी उत्सुकता बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म फिलहाल लेखन के चरण में है और इसकी स्क्रिप्ट को फाइनल करने से पहले कई बार दोबारा लिखा जा चुका है।

निर्माता प्रोजेक्ट को लेकर काफी तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन नवंबर 2026 से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि इसकी मुख्य शूटिंग जनवरी 2027 में शुरू हो सकती है।

अगर फिल्म तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ती है तो ये मिथरन की बॉलीवुड में बतौर निर्देशक पहली फिल्म होगी।

इस फिल्म के जरिए करीना- भंसाली करीब 2 दशक बाद पहली साथ काम करेंगे। उनके बीच 2000 के दशक की शुरुआत में अनबन की खबरें आई थीं। भंसाली ने फिल्म देवदास में पारो के रोल के लिए करीना से बात की थी और उनका स्क्रीन टेस्ट भी लिया था, लेकिन बाद में उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन को पारो के रोल के लिए चुन लिया।

इस बात से करीना काफी नाराज हुई थीं। उन्होंने भंसाली के फैसले को गलत बताया था। करीना जल्द ही फिल्म दायरा में भी नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार कर रही हैं, जबकि इसमें करीना के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। दायरा की कहानी और कलाकारों की जोड़ी इसे खास बनाती है। ये फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दायरा सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें अपराध, कानून, न्याय और सजा जैसे मुद्दों को दिखाया जाएगा

फिल्म वन से सिद्धार्थ मल्होत्रा की पहली झलक आई

सिद्धार्थ मल्होत्रा को आखिरी बार परम सुंदरी में देखा गया था, जो पिछले साल अगस्त में आई थी। अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट को लेकर चर्चा में हैं, जो भारत की पहली पौराणिक-फंतासी और हॉरर-थ्रिलर होगी। इसका निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया गया है, जबकि निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा हैं। निर्माताओं ने फिल्म का मोशन-पोस्टर जारी करके सिद्धार्थ की पहली झलक दिखाई है। साथ में टीजर की रिलीज पर अपडेट दिया है।

वन के मोशन-पोस्टर में घने व रहस्यमयी जंगल के बीचो-बीच एक असुरी शक्ति दिखती है। उसके सामने हाथ में मशाल लिए सिद्धार्थ खड़े हैं, जो वर्जित स्थान में प्रवेश करते नजर आते हैं। हालांकि, पोस्टर में उनका चेहरा दिखाने की बजाय पीठ दिखाई गई है। इसमें तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, मनीष पॉल और श्वेता तिवारी जैसे सितारे भी शामिल हैं। भारतीय लोककथाओं और अंधविश्वास पर आधारित फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी।

महाकाली की पहली झलक ने उड़ाए होश, अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य अवतार देख पागल हुए लोग!

महाकाली के मेकर्स ने फैंस का बड़ा तोहफा दिया है. मेकर्स ने महाकाली- शुक्राचार्य वॉर क्राई रिलीज किया है. इसमें शुक्राचार्य अवतार में अक्षय खन्ना और महाकाली की पहली झलक दिखाई गई है. साथ ही, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है.

अक्षय खन्ना का ट्रांसफॉर्मेशन और उनकी दमदार परफॉर्मेंस की एक झलक ने फैंस को पहले ही इम्प्रेस कर दिया है. धुरंधर में अपनी परफॉर्मेंस से गहरी छाप छोड़ने के बाद, एक्टर अब महाकाली के साथ अपना तेलुगु डेब्यू करने जा रहे हैं और उनके शुक्राचार्य के किरदार ने फिल्म के लिए उम्मीद और बढ़ा दी है.

फिल्म की पहली झलक में शानदार सिनेमाई पर्दे पर न सिर्फ महाकाली का रौद्र रूप नजर आ रहा है, बल्कि शुक्राचार्य बने अक्षय खन्ना का खौफनाक अवतार भी देखने को मिला है. अपनी पिछली फिल्म में रहमान डकैत से सबके दिलों में खौफ पैदा करने वाले अक्षय खन्ना ने महाकाली के जरिए अपने दर्शकों को यह बता दिया है कि इस फिल्म में भी उनके लिए काफी कुछ होगा. गौरतलब है कि फिल्म महाकाली' अगले साल 8 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

महाकाली की पहली झलक में धर्म और अधर्म के बीच होने वाले एक ऐसे महायुद्ध की ओर इशारा किया गया है, जो सिर्फ अच्छाई और बुराई की लड़ाई तक सीमित नहीं है. असुरों के शक्तिशाली गुरु शुक्राचार्य के नेतृत्व में शुरू होने वाला यह संघर्ष एक ऐसे बड़े महायुद्ध की झलक देता है, जो पूरी दुनिया के भविष्य का फैसला करती है. दमदार सीन के साथ युद्ध की भयावह आहट और रहस्यमयी माहौल के बीच द एंड बिगिन्स का संकेत इस महायुद्ध की गंभीरता को और बढ़ाता है.

इस झलक का सबसे बड़ा आकर्षण अक्षय खन्ना हैं, जो शुक्राचार्य के किरदार में बेहद खौफनाक और दमदार नजर आ रहे हैं. उनकी तीखी नजर, प्रभावशाली व्यक्तित्व और किरदार में दिखाई देने वाली गहराई दर्शकों का ध्यान खींचती है. उनके फर्स्ट लुक से पैदा हुई उत्सुकता के बाद अब पहली झलक में उनके किरदार की वास्तविक झलक देखने को मिल रही है, जिसने फिल्म को लेकर रोमांच और बढ़ा दिया है.

इस विषय में फिल्म के निर्माता रिवाज दुग्गल का कहना है, महाकाली की कहानी एक ऐसी दुनिया से आती है, जिसकी जड़ें हमारी भारतीय इतिहास में गहराई से जुड़ी हैं. हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि इसे आज के दर्शकों के लिए उस स्तर के भव्य और सिनेमाई अंदाज में पेश किया जाए, जिसके वे हकदार हैं. इस झलक के जरिए हम दर्शकों को उस दुनिया की पहली झलक दे रहे हैं, जिसकी हमने कल्पना की है. अक्षय खन्ना द्वारा शुक्राचार्य का किरदार निभाना कहानी में जबरदस्त गहराई लेकर आता है. हम दर्शकों को उस बड़े महायुद्ध का अनुभव कराने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जिसकी शुरुआत महाकाली से होती है. हालांकि यह सिर्फ एक शुरुआत है, एक बहुत बड़ी सिनेमाई यात्रा अभी बाकी है और हम दर्शकों के साथ इसे बड़े पर्दे पर साझा करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

नेटफ्लिक्स पर दिखेगा तापसी पन्नू का गंधारी रूप, बेटी को बचाने के लिए मां करेगी सारी हद पार

तापसी पन्नू को आखिरी बार फिल्म अस्सी में देखा गया था, जो इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई। अब अभिनेत्री अपनी अगली और लंबे समय से चर्चित फिल्म गांधारी के साथ दर्शकों के बीच लौट रही हैं। यह एक हाई-वोल्टेज एक्शन, क्राइम और बदले पर आधारित थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है। कहानी कनिका ढिल्लों ने लिखी है और उन्हीं के बैनर कथा पिक्चर्स के तहत निर्मित है। फिल्म सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। गांधारी का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा। यह 3 सितंबर, 2026 से सब्सक्राइबर यूजर्स के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

फिल्म में तापसी मुख्य किरदार में हैं। उनके साथ इश्वाक सिंह, स्वास्तिका मुखर्जी, छाया कदम, जतिन सरना और मीता वशिष्ठ जैसे कलाकार मौजूद हैं।

कहानी एक मां-बेटी के गहरे और अटूट रिश्ते पर आधारित है। मां के किरदार में तापसी हैं, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। अभिनेत्री बिल्कुल नए अवतार में दिखेंगी। गंधारी में तापसी के अलावा इश्वाक सिंह, छाया कदम, स्वास्तिका मुखर्जी, मीता वशिष्ठ और जतिन सरना जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे।

फिर आई हसीन दिलरुबा की शानदार सफलता के बाद, इस फिल्म से तापसी और लेखिका और निर्माता कनिका ढिल्लों की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है।

कनिका ने बानी के इस सफर को एकदम असली, अथक और बेहद निजी बताया है। वहीं, नेटफ्लिक्स ने कहा है कि यह फिल्म इस बात पर एक बेबाक नजर डालेगी कि एक मां अपने बच्चे के लिए कितनी हद तक जा सकती है।

तापसी भी इसमें अपने अब तक के सबसे चुनौती भरे किरदारों में से एक में नजर आने वाली हैं।

गड्ढे भरने के नाम पर सड़क पर बिछाई मिट्टी, बारिश में बढ़ी फिसलन

नैनीताल(आरएनएस)। नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर गड्ढों को भरने के नाम पर मिट्टी डाले जाने से बारिश के बाद सड़क पर फिसलन बढ़ गई है। मिट्टी पानी के साथ कीचड़ में तब्दील हो गई है, जिससे खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।बताया जा रहा है कि बीते दिनों भीमताल में हुई बैठक में डीएम ने संबंधित विभागों को सड़कों पर बने गड्ढों को भरने के निर्देश दिए थे। इसके बाद विभिन्न मार्गों पर गड्ढे भरने का काम शुरू किया गया। इसी क्रम में नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर रूसी और एरीज मोड़ के समीप भी गड्ढे भरे गए। हालांकि, यहां गड्ढों में मिट्टी डाल दी गई। बारिश के बाद यही मिट्टी कीचड़ में बदल गई, जिससे सड़क पर फिसलन बढ़ गई है। क्षेत्र पंचायत सदस्य हिमांशु पांडे समेत ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि गड्ढों में मिट्टी डालने से समस्या कम होने के बजाय और बढ़ गई है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने से हादसा होने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने सड़क पर डाली गई मिट्टी को हटाकर गड्ढों को उचित सामग्री से भरने की मांग की है। एनएचएआई के अधिशासी अभियंता महेंद्र कुमार ने बताया कि सड़क के गड्ढे भरने के लिए मिट्टी डालने से मना किया गया है। यदि सड़क पर मिट्टी डाली गई है तो संबंधितों से जवाब मांगा जाएगा।

मोबाइल में खुला किसानों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पहाड़ की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच खेती करने वाले किसानों के लिए मोबाइल अब सिर्फ संचार का साधन नहीं बल्कि कृषि विशेषज्ञ की भूमिका भी निभा रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के किसान सारथी एप ने उत्तरकाशी के 20,568 किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से सीधे जोड़ दिया है। वर्ष 2005 में चिन्यालीसौड़ में स्थापित जनपद के एकमात्र कृषि विज्ञान केंद्र ने अब तक किसानों को प्रशिक्षण और फील्ड परीक्षण के माध्यम से आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ा है। केंद्र परिसर में किसानों, छात्रों और कर्मचारियों समेत करीब 1,500 लोगों को इन गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब डिजिटल तकनीक ने अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचा दिया है।किसान सारथी एप के माध्यम से किसानों को पॉलीहाउस, कीवी उत्पादन, बागवानी, पशुपालन और फसल प्रबंधन की वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी मिल रही है। कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ के वैज्ञानिक डा. कमल कुमार पांडेय ने बताया कि एप के जरिए किसानों को 24 घंटे खेती-किसानी, मौसम और फसल बीमा योजना की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

सू- दोकू क्र.050

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.49 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

ग्राम सौंड में न्याय रथ के साथ मेगा ड्राइव चरण-1 का शुभारंभ

नैनीताल(आरएनएस)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली की जनकल्याणकारी एवं विधिक सेवा योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल ने ग्राम सौंड से मेगा ड्राइव चरण-1 की शुरुआत की।

अभियान के तहत ग्रामीणों को उनके विधिक अधिकारों, नि:शुल्क कानूनी सहायता और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायाधीश प्रशांत जोशी ने जिला न्यायालय परिसर से न्याय रथ को हरी झंडी दिखाकर ग्राम सौंड के लिए रवाना किया। इसके साथ ही ग्राम सौंड में मेगा ड्राइव के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों और जिला न्यायाधीश प्रशांत जोशी के निर्देशन में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पारुल थपलियाल के नेतृत्व में अभियान संचालित किया जा रहा है।

मेगा ड्राइव के दौरान पैरालीगल वॉलंटियर्स घर-घर जाकर ग्रामीणों से संपर्क करेंगे और विधिक एवं सरकारी सहायता के पात्र लोगों की पहचान करेंगे। ग्रामीणों की कानूनी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी लेकर उन्हें आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। संबंधित मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान, स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और अन्य संबंधित लोगों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। ग्रामीणों की स्थानीय जरूरतों के आधार पर उन्हें नालसा की योजनाओं के साथ-साथ अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मेगा ड्राइव की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। अभियान के तहत किए गए कार्यों का दस्तावेजीकरण कर प्रगति रिपोर्ट राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजी जाएगी। इस अवसर पर आमजन से अपील की गई कि वे अपने विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में नि:शुल्क विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करें।

कार्यक्रम में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सोहन तिवारी, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल हेमा शर्मा, रिटेनर अधिवक्ता तारा आर्या, नाज़िर धीरज सुयाल, कनिष्ठ सहायक राहुल डंगवाल, अंबिका, यशवंत कुमार, मनोज बलसुनी और अजय बिष्ट, अनीता बिष्ट सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नेपाल में बाढ़ को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

चम्पावत(आरएनएस)। नेपाल में बाढ़ को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला प्रशासन ने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। एसडीआरएफ ने शारदा बैराज और घाटों पर सतर्कता बढ़ा दी है। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में आई भीषण आपदा के चलते चम्पावत जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। टनकपुर में तैनात एसडीआरएफ टीम को हाई अलर्ट मोड पर रखा गया है। शारदा बैराज और घाटों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। शारदा नदी के संवेदनशील तटीय इलाकों, शारदा घाट तथा शारदा बैराज और उनके आसपास के क्षेत्रों में एसडीआरएफ लगातार गश्त कर रही है।टीम ने घाटों एवं निचले इलाकों के स्थानीय निवासियों और मछुआरों को जल स्तर बढ़ने की संभावना के प्रति जागरुक किया। डीएम मनीष कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सिंचाई, राजस्व, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीम को आपसी समन्वय बनाए रखने को कहा है। किसी भी आपातकालीन स्थिति की जानकारी प्रशासन और जिला आपदा कंट्रोल रूम को देने का अनुरोध किया है।

सुयालकोट में अब बनाई जा रही नई सड़क

चमोली(आरएनएस)। देवाल-खेता-मानमती के सुयालकोट में सड़क ध्वस्त हुई थी। अब इसी मुख्य सड़क से करीब 20 मीटर नीचे से नई सड़क बनाई जा रही है। लोनिवि नई जगह से करीब 250 मीटर नई सड़क की कटिंग कर रहा है। बृहस्पतिवार से लोनिवि ने काम भी शुरू कर दिया है। सुयालकोट में भारी भूस्खलन के कारण चार दिन से बंद पड़ी थी। इस कारण क्षेत्र की करीब दस हजार आबादी का संपर्क तहसील मुख्यालय से कटा हुआ है। वहीं इस मार्ग के दोनों तरफ 30 से अधिक वाहन फंसे हैं। ऐसे में लोनिवि की ओर से अब नई जगह से सड़क बनाई जा रही है। वहीं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि सड़क का काम शुरू कर दिया गया है। अगर बारिश या भूस्खलन नहीं हुआ तो यातायात के लिए शीघ्र सड़क खोल दी जाएगी।

पक्की सड़क के लिए तरस रहा भेल्डा छोटा गांव

कोटद्वार (आरएनएस)। भेल्डा छोटा गांव के ग्रामीण कच्ची और खस्ताहाल सड़क पर आवाजाही करने को मजबूर हैं। पौड़ी नेशनल हाईवे से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित गांव में पक्की सड़क की सुविधा नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के अभाव में गांव से पलायन भी बढ़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पूर्व में गांव तक पहुंचने के लिए कच्चे पैदल मार्ग का ही सहारा था। वर्ष 2013 में ग्रामीणों की मांग पर विधायक निधि से कच्ची सड़क का निर्माण कराया गया था। करीब ढाई माह में रोड कटिंग का काम पूरा हुआ लेकिन अभी तक मार्ग को पक्के मार्ग में तब्दील नहीं किया जा सका है। ग्रामीणों की मांग पर वर्ष 2019 में लोनिवि दुगड्डा ने सड़क निर्माण के लिए नए सर्वे कराए थे। पौड़ी हाईवे से भेल्डा तक करीब दो किलोमीटर सड़क और पुलिया निर्माण के लिए 1.39 करोड़ की डीपीआर शासन को भेजी गई। प्रस्तावित सड़क के करीब 300 मीटर हिस्से में आरक्षित वन भूमि आने के कारण भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया शासन स्तर पर लंबित है। वर्ष 2024 में जिला योजना से चार लाख की लागत से पुश्ता निर्माण और सफाई का कार्य कराया गया था।

गली-मोहल्लों के बाद बाजार में सड़क की खुदाई से मुसीबत

विकासनगर(आरएनएस)। सीवर और पेयजल लाइन के लिए खुदी सड़कों से अभी विकासनगर वासियों को गली-मोहल्लों में निजात मिली नहीं,अब बाजार में भी लोगों को मुसीबत झेलनी पड़ रही है। निर्माणदायी संस्था ने बाजार में भी लक्ष्मणपुर से लेकर डाकपत्थर तिराहे तक सीवर के लिए खुदाई शुरू कर दी है। जिसके लिए दिल्ली यमुनोत्री हाइवे को एक तरफ बंद कर रखा है। आने और जाने वाला ट्रैफिक एक तरफ से गुजरने के कारण हाइवे सुबह से लेकर शाम तक लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है। साथ ही स्थानीय कारोबारियों को भी इसके कारण घटा उठाना पड़ रहा है। दरअसल,विकासनगर में यूलिप योजना के तहत सीवर और पेयजल लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। करीब दो साल से यह कार्य चल रहा है। पहले निर्माणदायी कंपनी ईएमएस ने वार्डों में सीवर और पेयजल लाइनें बिछाने का काम शुरू किया। लेकिन अभी तक काम पूरा नहीं हो पाया है। विभिन्न वार्डों के गली मोहल्लों में लोग खुदी सड़कों से पिछले दो साल से परेशान हैं।

अभी भी बारिश पड़ने के बाद तमाम गली मोहल्लों में कीचड़ और जलभराव से लोग काफी परेशान है। गली-मोहल्ले की समस्या अभी खत्म हुई नहीं कि अब लोग बाजार में भी परेशानी का सामना कर रहे हैं। निर्माणदायी कंपनी की ओर से अब बाजार में दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर लक्ष्मणपुर से डाकपत्थर तिराहे तक सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। जिसके लिए कंपनी की ओर से हाईवे को एक छोर से बंद किया हुआ है। दूसरे छोर से ही यातायाता को निकाला जा रहा है। जिसके कारण यहां सुबह से लेकर शाम तक लोग,वाहन चालक जाम से जूझ रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय व्यापारी भी परेशान हैं। हाइवे पर खुदाई होने का सीधा असर बाजार के साथ ही आंतरिक मार्गों पर पड़ रहा है। जाम से बचने के लिए वाहन चालक अस्पताल चौक से सैयद रोड होते हुए आगे निकल रहे हैं। जिससे सैयद रोड और अस्पताल रोड पर भी जाम लग रहा है। जिससे आम लोगों के साथ ही मरीजों,तीमारदारो, स्कूली बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

चोरी के अलग-अलग मामलों में 7 शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। बन्द पड़ी फैक्ट्री में चोरी की योजना बना रहे 4 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 2 चाकू, 2 आलानकब सहित टॉर्च, चाबी का गुच्छा, बरामद किया गया है। वहीं दूसरी घटना में चोरी की भैंस को छोटा हाथी वाहन में लादकर ले जा रहे 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चोरी की भैंस एवं घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार रात्रि गश्त के दौरान एक सूचना पर केआरई इंजीनियरिंग कम्पनी सिडकुल के पास खण्डहर में बन्द पड़ी फैक्ट्री में चोरी की योजना बना रहे 4 संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से 2 धारदार रामपुरी चाकू, 2 आलानकब, बीड़ी का बंडल, माचिस, टॉर्च एवं चाबी का गुच्छा बरामद हुआ। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बन्द पड़ी फैक्ट्री में चोरी करने की योजना बनाए जाने की बात स्वीकार की गई। गिरफ्तार लोगों के नाम गोपाल विश्वास पुत्र जगदीश विश्वास, निवासी टैगोर नम्बर 04, शक्तिफार्म, थाना सितारगंज, टोनी मंडल उर्फ गौतम पुत्र खगेन मंडल, निवासी वार्ड नं. 7, शक्तिफार्म, थाना सितारगंज, मंतोष मंडल पुत्र मनोरंजन मंडल, निवासी ग्राम बैकुण्ठपुर नम्बर 1, शक्तिफार्म, थाना सितारगंज व निमई विश्वास पुत्र रविन्द्र विश्वास, निवासी बैकुण्ठपुर नम्बर 1, शक्तिफार्म, थाना सितारगंज बताये जा रहे है।

वहीं चोरी की दूसरी घटना में बीते रोज जलीस अहमद पुत्र शकील अहमद निवासी चौमेला द्वारा अपनी भैंस चोरी होने की सूचना दी गई। तलाशी के दौरान नकुलिया-सितारगंज रोड पर शुक्ला फार्म के पास कुछ व्यक्तियों द्वारा भैंस को छोटा हाथी में लादकर ले जाते हुए स्थानीय लोगों ने देखा तथा तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर चौकी सिडकुल पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर 3 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा भैंस चोरी कर वाहन से ले जाना स्वीकार किया गया। अभियुक्तों ने चोरी की भैंस को बेचकर प्राप्त धनराशि आपस में बांटने की योजना बताई। पूछताछ में एक अन्य व्यक्ति दानिश कुरैशी द्वारा भैंस चोरी के लिए लालच देने तथा मौके से मोटरसाइकिल से फरार होने की बात भी सामने आई। अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर कोतवाली सितारगंज में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्मार चोंरो के नाम अयान अली पुत्र रिहासत, निवासी वार्ड नं0 6, सितारगंज, साजिम पुत्र रहीम शाह, निवासी बघौरी, थाना सितारगंज, अयान पुत्र अशफाक हुसैन, निवासी इस्लामनगर वार्ड नं. 03, सितारगंज बताये जा रहे है।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने हरिद्वार रोड पर एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी देरी पर ही दबोच लिया तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दो पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम उपेन्द्र रावत पुत्र अब्बल सिंह रावत निवासी भटटोवाला ऋषिकेश बताया।

मंच शुद्धीकरण पर 'महाभारत'..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कांग्रेस के लिए यह भाजपा को घेरने का बड़ा हथियार बन सकता है, जबकि भाजपा के सामने चुनौती है कि वह इस विवाद को लंबा खिंचने से कैसे रोकती है। राहुल गांधी के सीधे प्रधानमंत्री से एफआईआर के निर्देश देने की मांग करने के बाद गेंद अब भाजपा के पाले में है। सवाल सिर्फ एक मंच के शुद्धीकरण का नहीं है। सवाल यह है कि उत्तराखंड की राजनीति में 2027 का चुनाव विकास के मुद्दों पर लड़ा जाएगा या सामाजिक सम्मान और पहचान के सवाल भी इसकी धुरी बनेंगे?

हरक की 'विरासत' पर भाजपा..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

गढ़ेंगी? उत्तराखंड की राजनीति में यह सवाल छोटा नहीं है। क्योंकि पहाड़ में राजनीतिक विरासत दरवाजा खोल सकती है, लेकिन अंदर जगह बनाना अभी भी अपने काम से ही पड़ता है और 2027 का चुनाव यही तय करेगा कि राजनीतिक परिवार की पहचान कितनी दूर तक जाती है और नई राजनीति की अपनी पहचान कहां से शुरू होती है।

अंकित बालियान हत्या कांड में गोगी गैंग का हाथ होने की सम्भावना!

संवाददाता

देहरादून। अंकित बालियान की हत्या में गोगी गैंग का हाथ होने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार शामली में हुए अंकित बालियान हत्याकांड की जांच आईपीएस एडीजे कानून व्यवस्था अमिताभ यश के पास है अमिताभ यश उत्तर प्रदेश एसटीएफ के मुखिया हैं। अमिताभ यश के अनुसार अंकित बालियान हत्या कांड में पुलिस को बडी सफलता मिली है। पुलिस का दावा है कि अंकित बालियान के हत्या आरोपी शीघ्र पुलिस की गिरफ्त में होंगे। पुलिस ने एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस जांच के अनुसार पूरी वारदात महज 22 सेंकेड में अंजाम दिया गया। हमलावरों ने कई राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गये। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार अंकित तो नौ गोलिया लगी पांच गोलिया शरीर के भीतर फंसी मिली। पुलिस व एसटीएफ की टीमों ने हरियाणा व दिल्ली में कई स्थानों पर दबिश दी। वारदात के समय एक हमलावर फोन पर बात करते हुए भी दिखायी दिया। जिसमें वह काम पूरा करने की बात कर रहा था। अंकित बालियान की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आयी जिसमें गोगी गैंग से जुडे हाने का दावा करने वाले एक अकाउंट से हत्या की जिम्मेदारी लेने की बात कही गयी है। पोस्ट में आरोप लगाया गया है कि अंकित गैंग के विरोधियों के सम्पर्क में था और गोगी से जुडी घटना पर उसने गाना बनाया था। पुलिस ने अभी तक सोशल मीडिया पर सामने आयी इस कथित जिम्मेदारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। मामले में एक चौंकाने वाला मोड तब आया जब गायक एक्टर भूपेन्द्र ढींगरा के नाम से सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया। वीडियो में अंकित बालियान की हत्या की जिम्मदारी लेने का दावा किया गया और हत्या की वजह व्यक्तिगत विवाद तथा कथित गाली गलौच को बताया गया। हालांकि इस वीडियों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अभी यह सत्यापन कर रही है कि वीडियों वास्तव में भूपेन्द्र ढींगरा का है तथा उसमें किया गया दावा कितना सच है। पुलिस के अनुसार भूपेन्द्र मूल रूप से गुरूग्राम का बताया जा रहा है और उसकी लोकेशन कर्नाटक में मिलने की जानकारी सामने आयी है। गोगी गैंग के नाम स सामने आयी कथित पोस्ट में एक पुराने गाने और गैंग से जुडे विवाद का उल्लेख किया गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अंकित किसी आपराधिक गिरोह के विवाद में सीधे तौर पर शामिल था या उनके संगीत और सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर किसी पक्ष ने उन्हें निशाना बनाया। मीडिया रिपोर्टो में उनके चर्चित गाने 'भरी कोर्ट में गोली मारेंगे' का भी उल्लेख हुआ है। अंकित बालियान की हत्या के बाद उनके पैतृक गांव बनलीखेडा और आसपास के क्षेत्र में आक्रोश है। अंतिम संस्कार के दौरान बडी संख्या में ग्रामीण और प्रशंसक जुटे थे। लोगों ने हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की। परिवार की ओर से भी पुलिस पर जल्द कार्रवाई की मांग की गयी है। सपा सांसद इकरा हसन और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह सहित कई नेता परिवार से मिल चुके हैं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी अंकित के पिता से फोन पर बात की। अंकित की पत्नी ने हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी न होने पर मुख्यमंत्री के बाहर आत्मदाह की चेतावनी दी है।

चोरी की योजना बनाते 4 शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंह नगर। चोरी की योजना बनाते हुए चार शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से एक कटर, दो चाकू व ताला तोड़ने की सामग्री बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली नानकमत्ता पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस ने चोरी की घटना की तैयारी करने हेतु चार व्यक्तियों क्रमशः विक्रम सिंह बाजवा उर्फ विक्की पुत्र बग्गा सिंह निवासी ग्राम गढी थाना नानकमत्ता उधमसिंह नगर के कब्जे से एद अदद चाकू, एक अदद टार्च काली, एक अदद छीनी लोहे की, जुनैद खान पुत्र स्व. तसब्बर सिंह निवासी वार्ड न.-4 हुसैनी

◆कटर, दो चाकू एवं अन्य ताला तोड़ने की सामग्री बरामद

मस्जिद के पीछे इस्लाम नगर थाना खटीमा उधमसिंह नगर के कब्जे से एक नाजायज चाकू ,2 चाबी के गुच्छे , 1 टार्च बरंग काला, कल्लू कश्यप पुत्र राजेन्द्न कश्यप निवासी गुरुनानक कलौनी थाने के पीछे थाना नानकमत्ता उधमसिह नगर के कब्जे से एक लोहे की धातू का कटर , 1 सरिये की छड , तथा 1 पेचकश, राहुल राणा पुत्र स्व. सुरेश राणा निवासी गढी पट्टी कवाली थाना नानकमत्ता उधमसिह नगर के कब्जे से 1 प्लास , 1 पेचकश , 1 हथौडा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोतवाली नानकमत्ता में मुकदमा आर्म्स एक्ट बनाम विक्रम सिंह आदि मुकदमा दर्ज किया गया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दलित विरोधी मानसिकता उजागर कर रही भाजपा: लालचंद शर्मा

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा ने उत्तराखंड में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद कथित रूप से किए गए 'शुद्धिकरण' को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने जिस गंभीर मुद्दे को उठाया है, वह भाजपा और आरएसएस की उस मानसिकता को उजागर करता है, जो आज भी समाज को जाति और छुआछूत के चश्मे से देखने की कोशिश करती है।

लालचंद शर्मा ने कहा कि यदि किसी दलित समाज से आने वाले राष्ट्रीय नेता के कार्यक्रम के बाद किसी स्थान का 'शुद्धिकरण' किया जाता है, तो यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे दलित समाज का अपमान है। राहुल गांधी ने सही कहा है कि 'शुद्धिकरण' दरअसल छुआछूत की मानसिकता का दूसरा नाम है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि आखिर भाजपा के नेता और कार्यकर्ता किस बात का शुद्धिकरण कर रहे थे? क्या भाजपा यह मानती है कि दलित समाज से आने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का किसी स्थान पर जाना उस स्थान को अशुद्ध कर देता है? लालचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा के सहयोगी दलों के नेता भी आरक्षण और सामाजिक न्याय की बात करते हैं, लेकिन भाजपा की जमीन पर आज भी दलित विरोधी सोच और भेदभाव की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका असली चेहरा क्या है। उन्होंने कहा कि भाजपा मंचों से बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और सामाजिक समरसता की बात करती है, लेकिन जब व्यवहार की बारी आती है तो उसकी सोच 'शुद्धिकरण' जैसी घटनाओं में सामने आ जाती है। भाजपा को बताना चाहिए कि क्या यही उसका सामाजिक समरसता का मॉडल है? प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है, जहां सभी धर्मों, जातियों और समुदायों के प्रति सम्मान की परंपरा रही है। कांग्रेस किसी भी व्यक्ति के साथ जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव का पुरजोर विरोध करती रहेगी। लालचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा को इस मामले में राजनीति करने के बजाय देश और दलित समाज से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह 'शुद्धिकरण' जैसी जातिगत और भेदभावपूर्ण मानसिकता का समर्थन करती है या नहीं।

सूमो की टक्कर से डॉक्टर की मौत, बाजार बंद

हमारे संवाददाता

चमोली। केदारघाटी से बेहद दुखद खबर सामने आई है। भारत सेवाश्रम-ऊखीमठ मोटर मार्ग पर शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में स्कूटी सवार डॉ. कैलाश पुष्पाण की मौत हो गई। टाटा सूमो की जोरदार टक्कर के बाद गंभीर रूप से घायल डॉक्टर को गुप्तकाशी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर फैलते ही पूरे ऊखीमठ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार डॉ. कैलाश पुष्पाण शुक्रवार दोपहर स्कूटी से भारत सेवाश्रम-ऊखीमठ मोटर मार्ग पर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही टाटा सूमो ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डॉक्टर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही बेहोश हो गए। हादसे के बाद सूमो चालक उन्हें उपचार के लिए गुप्तकाशी अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद डॉ. कैलाश पुष्पाण को मृत घोषित कर दिया।

डॉ. कैलाश पुष्पाण पंचकेदार होटल/होम स्टे एसोसिएशन के अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य परकंडी प्रीति पुष्पाण के पति थे। उनके आकस्मिक निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक डॉ. पुष्पाण अपने सरल, सहज और मिलनसार व्यवहार के लिए जाने जाते थे। सेवाभाव और जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा आगे रहने के कारण उन्होंने क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई थी। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग गुप्तकाशी स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। वहीं डॉ. पुष्पाण के निधन से दुखी ऊखीमठ के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर शोक व्यक्त किया। रक्षाबंधन के दिन हुई इस घटना से क्षेत्र में उत्सव का माहौल गहरे मातम में बदल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे के बाद टाटा सूमो चालक के मौके से फरार होने की बात सामने आई है। पुलिस द्वारा गुप्तकाशी में शव के पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस प्रशासन के अनुसार तहरीर मिलने के बाद मामले में विधिवत जांच और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और दुर्घटना की वास्तविक वजह क्या थी, यह पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

बस के नीचे दबने से स्कूटी सवार दो चचेरे भाइयों की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। गंगोत्री हाईवे पर एक टूरिस्ट बस भजनगढ़ रोड के पास मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। बस की चपेट में आकर हाईवे किनारे खड़े दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बस सवार 13 यात्री जख्मी हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेजा गया। जानकारी के अनुसार बिहार के यात्री नीलकंठ दर्शन के लिए गए थे। बीती रात लगभग नौ बजे वापसी में दिल्ली लौटते समय भद्रकाली तिराहे से थोड़ा आगे एक मोड़ पर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सड़क किनारे खड़े स्कूटी सवार दो चचेरे भाई बस की चपेट में आ गए। आसपास ठेली-रेहड़ी संचालकों में भी हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस के नीचे दबे युवकों को जख्मी हाल में बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। एसआई राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि मृतकों की पहचान 24 वर्षीय शुभम बिष्ट व 32 साल के ऋषभ बिष्ट दोनों निवासी गणेश विहार, ऋषिकेश के रूप में हुई। बहरहाल पुलिस ने उनके शव कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

नव नियुक्त सोशल मीडिया पदाधिकारियों ने प्रीतम सिंह से की मुलाकात

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया कमेटी के सह-अध्यक्ष भरत शर्मा और प्रदेश समन्वयक मधुसूदन सुन्दरीयाल ने प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह से उनके आवास पर मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रीतम सिंह ने आशा जताई कि नव नियुक्त सोशल मीडिया कमेटी अपने दायित्व निष्ठा से निभाएगी, संगठन को मजबूत करेगी और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुँचाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकारों की कथित विफलताओं को भी सोशल मीडिया के माध्यम से जनता के सामने लाने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं। मुलाकात में प्रदेश उपाध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पूर्व पालिका अध्यक्ष मनमोहन मल्ल और अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे। गौरतलब है कि हाल ही में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की स्वीकृति के बाद अभिनव थापर को प्रदेश सोशल मीडिया विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है। भरत शर्मा सह-अध्यक्ष और मधुसूदन सुन्दरीयाल समन्वयक नियुक्त हुए हैं।

झारखंड के राज्यपाल अचानक पहुंचे पुलभट्टा थाने, हड़कंप

हमारे संवाददाता

देहरादून। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार अपनी सादगी और सहजता के लिए एक बार फिर चर्चा में आ गए। कल देर रात करीब साढ़े 10 बजे नैनीताल से बरेली की ओर जाते समय उनका काफिला अचानक पुलभट्टा थाने के सामने रुक गया। भाजपा नेता सुरेश गंगवार ने स्वागत किया तभी राज्यपाल अचानक अपने काफिले के साथ वाहन से उतरकर सीधे थाने के अंदर पहुंच गए।

राज्यपाल को यूं अचानक थाने में आया देखकर पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद थाना अध्यक्ष ने तत्परता दिखाते हुए महामहिम राज्यपाल का ससम्मान स्वागत किया और सम्मान के साथ उन्हें अपनी कुर्सी पर बैठाया। इस दौरान थाने में राज्यपाल महोदय को सूक्ष्म जलपान भी कराया गया। बता दें कि झारखण्ड के राज्यपाल संतोष गंगवार अचानक से पुलभत्ता थाने मे रुक गए जिसके बाद थाने मे हड़कंप मच गया। आनन फानन में थाने में ही कुर्सी लगवा दी इस सादगी को देखकर चर्चा होना लाजमी है।

थाने का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने थाना परिसर की स्वच्छता, साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस द्वारा मेंटेन की गई व्यवस्थाओं और अनुशासन को देखकर उन्होंने पुलिस प्रशासन की जमकर सराहना की।

राज्यपाल के थाने पहुंचने की सूचना मिलते ही क्षेत्र के भाजपा नेता सुरेश गंगवार पहुंचे उनके साथ कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग भी थाने पहुंच गए। महामहिम ने सभी से आत्मीयता से मुलाकात की और सभी को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कुछ देर थाना परिसर में रुकने के बाद राज्यपाल संतोष गंगवार का काफिला बरेली की ओर के लिए रवाना हो गया। उनके इस औचक निरीक्षण और सरल स्वभाव की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है।

उक्रांद ने आशुतोष नेगी को 6 वर्ष के लिए पार्टी से निकाला

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल की केंद्रीय अनुशासन समिति ने आशुतोष नेगी की प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उन्हें छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। आदेश 27 अगस्त 2026 का है और उस पर समिति अध्यक्ष राकेश सेमवाल के हस्ताक्षर हैं। पत्र पौड़ी गढ़वाल के सर्किट हाउस पते पर आशुतोष नेगी को संबोधित है।

समिति का आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया और अन्य सार्वजनिक माध्यमों पर अनर्गल, भ्रामक तथा तथ्यहीन बयानबाजी कर दल की छवि और संगठनात्मक गरिमा को नुकसान पहुँचाया। 9 जुलाई 2026 को नोटिस जारी हुआ था, जिसके जवाब में 17 जुलाई को खेद व्यक्त किया गया। इसके बावजूद वरिष्ठ साथियों और शीर्ष नेतृत्व के विरुद्ध आपत्तिजनक बयान जारी रहने का आरोप लगाया गया है। पत्र में कहा गया है कि केंद्रीय कार्यालय में केंद्रीय अध्यक्ष के संबंध में अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करने के बाद उन्हें पद से मुक्त किया जा चुका था। उस समय भी दल की मर्यादा और सोशल मीडिया पर छवि न बिगाड़ने का आग्रह किया गया था। समिति के अनुसार नेगी ने 2024 में प्राथमिक सदस्यता ली थी। दल

ने उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने का अवसर दिया और केंद्रीय उपाध्यक्ष जैसा दायित्व भी सौंपा। 22 अगस्त 2026 को स्पष्टीकरण और आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण माँगे गए थे, ताकि यदि कोई व्यक्ति दोषी या दल-विरोधी गतिविधि में संलिप्त मिले तो कार्रवाई हो सके। समिति का कहना है कि संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं आया और व्यवहार में सुधार भी नहीं दिखा। पत्र में यह भी लिखा गया है कि आगामी चुनाव के लिए इच्छुक सदस्यों से आवेदन माँगे गए थे, पर श्री नेगी ने औपचारिक आवेदन नहीं दिया। उन्होंने रायपुर विधानसभा से चुनाव लड़ने की बात कही थी और शीर्ष नेतृत्व की ओर से सकारात्मक संकेत भी बताया गया, फिर भी क्षेत्र में संगठनात्मक कार्य के बजाय दल-विरोधी गतिविधियाँ चलने का आरोप है।

समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि चुनावी वर्ष में विरोधी राजनीतिक दलों के साथ मिलकर उत्तराखंड क्रांति दल को नुकसान पहुँचाने का षड्यंत्र प्रतीत होता है। इसी आधार पर छह वर्ष का निष्कासन और सदस्यता निलंबन किया गया है। आदेश में निर्देश है कि निष्कासन अवधि में दल के नाम, झंडे, चुनाव चिन्ह या अधिकृत प्रतीक का उपयोग न किया जाए और स्वयं को अधिकृत पदाधि

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।